1

515

9:07

drishti

Drishti Mentorship Programme (Mains)-2024

Essay

Name of Candidate:	Karmveer	Subject/Code:	Essay
UPSC Roll No:	0805596	Date:	4 Sept 2024
Drishti Id:		E-mail Id:	
Centre:	515, MKN	Medium:	Hindi

Test Code: Essay-09

Time allowed: Three Hours

Maximum Marks: 250

(To be filled by Evaluator only)		
	Max. Marks	Marks Obtained
	(Essay Topic No.)	(Marks)
Section-A		
Section-B		
Total		

Overall Feedback

INSTRUCTIONS

कृपया प्रश्नों का उत्तर देने से पहले निम्नलिखित निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें:

- प्रवेश-पत्र में प्राधिकृत माध्यम में निबन्ध लिखना आवश्यक है तथा इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू. सी. ए.) पुस्तिका के मुखपृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर करना आवश्यक है। प्राधिकृत माध्यम के अलावा अन्य माध्यम में लिखे गए उत्तरों पर अंक नहीं दिए जाएँगे।
- प्रश्नों के उत्तर निर्दिष्ट शब्द-संख्या के अनुसार होने चाहिए।
- प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़े गए किसी पृष्ठ अथवा पृष्ठ के भाग को पूर्णतः काट दीजिए।

Please read each of the following instruction carefully before attempting questions:

- The ESSAY must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.
- Word limit, as specified, should be adhered to.
- Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

For Student Only				
Time Taken	Start Time:	End Time:	Student Signature	
Mode of Examination	Online	Offline		

For Office Use Only				
Evaluators Code	Evaluator Sign	Evaluation Date	Reviewers Code	Reviewers Sign

Feedback				
Sr. No	**मापदण्ड/Parameters**	**Max. Marks**	**Section-A (Essay-1)**	**Section-B (Essay-2)**
1.	**परिचय:** विषय और संलग्नता की स्पष्टता। **Introduction:** Clarity of theme and engagement.	10		
2.	**विषय वस्तु:** प्रासंगिकता, विश्लेषण की गहराई और उदाहरणों/साक्ष्यों का उपयोग। **Content:** Relevance, depth of analysis, and use of examples/evidence.	25		
3.	**संरचना और संगठन:** तार्किक प्रवाह, पैराग्राफ संरेखण और विचारों की सुसंगतता। **Structure and Organization:** Logical flow, Paragraph alignment and Coherence of ideas.	20		
4.	**प्रासंगिकता:** विषय से विचलन की अनुपस्थिति, तर्क और पुष्टि/प्रमाणीकरण के बीच संतुलन **Relevance:** Absence of Deviation from Topic, Balance between argument and substantiation.	20		
5.	**भाषा और अभिव्यक्ति:** स्पष्टता, व्याकरण, वाक्यविन्यास, शब्दावली और अभिव्यक्ति **Language and Expression:** Clarity, Grammar, Syntax, Vocabulary and Articulation	20		
6.	**निष्कर्ष:** तर्कों और निष्कर्ष का प्रभावी सारांश। **Conclusion:** Effective summary of arguments and conclusion.	10		
7.	**मौलिकता और रचनात्मकता:** विचार और रचनात्मक अभिव्यक्ति में नवीनता। **Originality and Creativity:** Innovation in thought and creative expression.	20		
	कुल: Total:	125		

*** UPSC Requirement for Essay Paper:**

Candidates may be required to write essays on multiple topics. They will be expected to keep ***closely to the subject*** *of the essay to* ***arrange their ideas in orderly fashion*** *and to* ***write concisely.*** *Credit will be given for* ***effective and exact expression.***

*** निबंध पेपर के लिए यूपीएससी की अपेक्षा:**

उम्मीदवार को एक विनिर्दिष्ट विषय पर निबंध लिखना होगा। विषयों के विकल्प दिये जायेंगे। उनसे आशा की जाती है कि अपने विचारों को निबंध के ***विषय के निकट*** *रखते हुए* ***क्रमबद्ध*** *करें तथा* ***संक्षेप*** *में लिखें। **प्रभावशाली एवं सटीक अभिव्यक्तियों** के लिये श्रेय दिया जायेगा।*

Copyright – Drishti The Vision Foundation

निम्न खण्ड A व B प्रत्येक से एक विषय चुनकर दो निबन्ध लिखिए, जो प्रत्येक लगभग 1000–1200 शब्दों का हो :

Write two essays, choosing one topic from each of the following Sections A and B, in about 1000-1200 words each:

(125 × 2 = 250)

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

खंड-A/SECTION-A

Topic:

चूँकि हम भावी पीढ़ी के बारे में नही सोचते, इसलिए वे हमें कभी नही भूलेगें

11-12 वी शताब्दी के आस-पास एक भारतीय राजा था, वह कर्मवीर था। उसकी वीरगाथाएँ उस समय पूरे भारतवर्ष मे फैल रखी थी। उसी समय पड़ोस के राज्य की युवती राजा को दिल दे बैठती थी। वह राजा की प्रतिमा बनाकर उससे शादी कर लेती है। युवती के पिता इससे काफी क्रोधित होते हैं और वह निर्धारित करता है कि इस प्रेम संबंध को वह स्वीकार नही करेगा।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

जब इन सभी घटनाओं का राजा को पता चला तो मध्यकालीन युग के राजा की जिम्मेदारी यही थी कि वह युवती के साथ प्रेम सम्बन्ध बनाएँ। हुआ भी यही, लेकिन इससे युवती के पिता क्रोधित हो गए, उन्होनें अपनी ईर्ष्या के चलते विदेशी राज्यों के राजाओं से मदद माँगी, जिसका परिणाम यह हुआ कि भारतीय राजा तथा विदेशी राजा के बीच युद्ध हुआ और भारत परतंत्रता, पराधीनता के युग मे प्रवेश कर गया।

वह राजा था- पृथ्वीराज चौहान, युवती थी- संयोगिता, युवती के पिता थे- जयद्रथ। जयद्रथ ने स्वहितों को सर्वोपरि रखते हुए महमूद गजनी को आक्रमण के लिए बुला लिया तो भावी पीढ़ी क्या उन्हें भूल पाई। आज भी ~~ऐसे~~ व्यक्तित्व को समाज मे जयद्रथ की संज्ञा से पुकारा जाता है। जयद्रथ

Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

ने भावी पीढ़ी को ध्यान नही रखा, और भारत मध्यकालीन दासता के युग मे प्रवेश कर गया।

शीर्षक पर विचार करे तो पाते है कि भावी पीढ़ी के बारे मे क्या सोचना है? क्यों सोचना है और अगर नही सोचते है तो क्या होगा? सोच लिया तो इसके दूरगामी परिणाम क्या होगे। इन्ही सभी प्रश्नो के जवाब में निबन्ध को आगे बढाते है।

प्रथम प्रश्न पर विचार करे तो पाते है कि लगभग हर 30 वर्ष बाद एक पीढी दूसरी पीढ़ी को स्थानान्तरित कर देती है। एक पीढी के लिए प्राकृतिक संसाधन उपलब्ध होते है, उन प्राकृतिक संसाधनो का कैसे उपयोग करना है। जैसे- गाँधीजी ने कहा है-

"प्रकृति सभी की आवश्यकता की पूर्ति कर सकती है लेकिन किसी के लालच की नही"

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

वस्तुत: प्राकृतिक संसाधनों के दोहन के क्रम मे अगली पीढ़ी के लिए क्या छोड़कर जाएंगे।

अगला प्रश्न आता है क्यों सोचना है? एक पर्यावरणशास्त्री ने कहा है-

> जिस दिन सभी पेड़ कट जाएंगे, सभी नदियाँ प्रदूषित हो जाएगी तब मनुष्य समझेगा कि पैसे को खाया नहीं जा सकता

भावी पीढ़ी की सुरक्षा करना वर्तमान पीढ़ी की जिम्मेदारी है। क्या जन्म ले रहे बच्चे को यह अधिकार नहीं है कि वह स्वच्छ वायु, साफ पानी, अच्छी स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ उठाए? अगर अधिकार है तो हमें सोचना होगा। कहा भी जाता है कि नस्लें सवाल पूछती है कि यह सब हो रहा था तो आप के क्या कर्तव्य थे, आप क्या कर रहे थे।

drishti
641, 1st Floor, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi | 21, Pusa Road, Karol Bagh, New Delhi | 13/15 Tashkent Marg, Civil Lines, Prayagraj | 47/CC, Burlington Arcade Mall, Vidhan Sabha Marg, Lucknow | Plot No. 45& 45A, Harsh Tower-2, Main Tonk Road, Vasundhara Colony, Jaipur | 12, Main AB Road, Bhawar Kuan, Indore, Madhya Pradesh
Phone: 8750187501 :: e-mail: care@groupdrishti.in :: Website: www.drishtiIAS.com

Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

उदाहरण के लिए पर्यावरण मे आज IPCC की रिपोर्ट अनुसार लगभग 1.2°C तापमान की वृद्धि हो चुकी है, 10-15 cm समुद्री जल स्तर में वृद्धि हो रही है। ग्लेशियर तथा क्रायोस्फीयर पिघल रहे हैं। मौसमी चरम आपदा की तीव्रता में वृद्धि हो रही है। संक्रामक बीमारियों की संक्रमणीयता मे काफी प्रभाव आया है।

यह सब दिखाते है कि हम भावी पीढ़ी के लिए नहीं सोचते है तो क्या परिणाम होगा।

उसी प्रकार समाज में महिलाओं के साथ भेदभाव बढ़ रहा है, अलग-अलग प्रकार की घरेलु हिंसा, रेप-मर्डर, यौन शोषण की घटनाएँ हो रही है, समाज में वृद्धों की हालात गंभीर है, लगातार विद्यार्थियों में आत्महत्या की प्रवृत्तियाँ बढ़ रही है। यह दिखाता है कि

Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

भावी पीढ़ियों के बारे मे सोचना आवश्यक है। अन्यथा परिणाम काफी भयानक होगें।

इसी समय जब इतिहास की तरफ देखे तो हिटलर दिखता है, कैसे उन्होनें भावी पीढी, मानवता को किनारे रखते हुए यहूदियों को मौत के घाट उतारा। उसका छद्म राष्ट्रवाद द्वितीय विश्वयुद्ध का कारण भी बना जिससे सम्पूर्ण विश्व को क्षति हुई। आज भी यहूदी हिटलर को एक नरसंहारक के रूप मे याद करते थे।

ऐसा ही एक उदाहरण महाभारत मे भी दिखता है जब अभिमन्यु चक्रव्युह को भेद कर अकेला फंस जाता है तो कौरव सेना के महारथी कर्ण, द्रोणाचार्य, कृपाचार्य, दुर्योधन उस अकेले निहत्थे बालक पर टूट पडते है। उन्हें यह अहसास भी नहीं था कि भावी पीढ़ियाँ इस

drishti
641, 1st Floor, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi | 21, Pusa Road, Karol Bagh, New Delhi | 13/15 Tashkent Marg, Civil Lines, Prayagraj | 47/CC, Burlington Arcade Mall, Vidhan Sabha Marg, Lucknow | Plot No. 45& 45A, Harsh Tower-2, Main Tonk Road, Vasundhara Colony, Jaipur | 12, Main AB Road, Bhawar Kuan, Indore, Madhya Pradesh
Phone: 8750187501 :: e-mail: care@groupdrishti.in :: Website: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

अन्याय के लिए उनसे प्रश्न पूछेगी। तभी धर्मवीर भारती कहते है-

मैं रथ का टूटा पहिया
लेकिन मुझे फेंको मत
इतिहासों की सामूहिक गति
सहसा झूठी पड़ जाने पर
क्या जाने सच्चाई
टूटे हुए पहियों का आश्रय ले।

अब निबंध के अगले प्रश्न पर चलते है कि वे क्यों नहीं पूछेंगे? इसका साधारण सा जवाब है. जब उन्हीं के अधिकारों की क्षति हो रही है तो प्रश्न तो उठना लाजमी है। भावी पीढ़ी के भी कुछ प्राकृतिक तथा मानवाधिकार है जिसकी सुरक्षा तथा भावी पीढ़ी को प्रदान करना वर्तमान पीढ़ी की जिम्मेदारी है लेकिन यह कर्तव्य मे असफल रहना बड़ी चुनौती है।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

drishti
641, 1st Floor, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi | 21, Pusa Road, Karol Bagh, New Delhi | 13/15 Tashkent Marg, Civil Lines, Prayagraj | 47/CC, Burlington Arcade Mall, Vidhan Sabha Marg, Lucknow | Plot No. 45& 45A, Harsh Tower-2, Main Tonk Road, Vasundhara Colony, Jaipur | 12, Main AB Road, Bhawar Kuan, Indore, Madhya Pradesh
Phone: 8750187501 :: e-mail: care@groupdrishti.in :: Website: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision | d

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

जब एक गरीब परिवार भौतिकतावादी बनकर अपनी पूँजी जैसे भूमि को बेचकर कार, हवाई जहाज में यात्रा इत्यादि पर पैसे उड़ा रहे हैं। एक समय तो आएगा कि यह सब शानो-शौकत हो जाएगी। तब जनसंख्या-वृद्धि के चलते उन्हें रहने-खाने का स्थान भी नहीं मिल पाएगा। उस समय भावी पीढ़ियाँ पूछती है कि आपने हमारे बारे मे क्यों नही सोचा? अगर सोच लिया होता तो हम भी अच्छी, शिक्षा सुविधाओं से जुड़ पाते। भावी पीढ़ियों का प्रश्न पूछना लाजमी है।

जिस प्रकार आज अन्तर्राष्ट्रीय संबंधों मे समान लेकिन विभेदक उत्तरदायित्व (CBDR) सिद्धान्त की चर्चा आती है जिसमें जलवायु परिवर्तन, हरित गृह गैस इत्यादि के लिए विकसित देशों को उत्तरदायी ठहराते हैं। यह उत्तरदायी इसलिए है कि इन्होंने औद्योगिकीकरण

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision | d

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

के क्रम मे प्राकृतिक संसाधनों का अंधाधुंध शोषण किया। उसी प्रकार आज हमारी पीढ़ी भी IPCC की रिपोर्ट अनुसार लगातार जलवायु परिवर्तन को बढ़ा रही है।

इस समय भी "ग्रेटा थुनबर्ग" जैसी स्वीडिश पर्यावरण कार्यकर्ता प्रश्न पूछ रही हैं। यह पीढ़ी हमें सदा याद रखेगी।

जिस प्रकार समाज में भ्रष्टाचार फैल रहा है, कुरीतियाँ व्याप्त है, महिलाओं - बच्चों पर अपराध बढ़ रहा है। सुभेद्य वर्गों की भागीदारी कम हो रही है। उस समय भविष्यगत पीढ़ियाँ जरूर प्रश्न उठाएगी। आज भी आधुनिक काल मध्यकालीन रूढ़ियाँ, परम्परा तथा प्रथाओं से लगातार प्रश्न पूछता है, उन्हें भूला नहीं है। चाहे वो विधवा प्रथा हो या कन्या भ्रूण हत्या। ये सभी विकास के क्रम मे पूछे जाएंगे।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision | d

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

अब अंतिम प्रश्न पर आते है कि हमें क्या करना चाहिए जिसे भावी पीढ़ी हमे भूले नही, क्या सोचना चाहिए जिससे उनके प्रश्नों को जवाब मिले।

जिस तरह पर्यावरण की सुरक्षा के लिए अपनी खुद की जीवन शैली को पर्यावरण के अनुकूल बना लेना। जैसे- प्लास्टिक का कम प्रयोग, जल गहन उत्पादों (चावल) से मोटे अनाज की तरफ शिफ्ट, electronic waste का कम प्रयोग। यह जब कर लिया जाता है तो आगामी पीढ़ी हमें सकारात्मक रूप से याद रखेगी। जिस तरह एक Aerospace इंजीनियर APJ ABdul KALAM. को आज भारत, दुनिया याद रखती है और रखेगें। उसी तरह एक नकारात्मक संदर्भ भी है. सिविल इंजीनियर ओसामा बिन लादेन उसे नकारात्मक रूप से भावी पीढ़ियाँ याद रखेगी।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

इसी तरह समाज की कुरीतियों के खिलाफ तटस्थता का रुख न अपनाते हुए उनके खिलाफ आवाज उठाना जरूरी है। निर्भया गैंग रेप केस, कोलकाता मर्डर इत्यादि के प्रति संवेदनशील, जिम्मेदारीयुक्त मानव का यह उत्तरदायित्व बनता है कि वह सिविल सोसाइटी, NGO, दबाव समूह का निर्माण कर इनके प्रति जागरूकता फैलाएँ। इससे भावी पीढ़ियाँ सुरक्षित होगी। पिंक फिल्म मे महिला सुरक्षा के लिए एक वाक्य आता है-

तू खुद की खोज में निकल
तू किस लिए हताश है
तू चल तेरे वजूद को
समय की भी तलाश है।
जो तुझसे लिपटी बेड़ियाँ
समझ न इनको वस्त्र तू
ये बेड़ियाँ पिघाल के
बना ले इनको शस्त्र तू
तू खुद की खोज मे निकल

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

हमे सदा यह प्रयास करना चाहिए कि वर्तमान प्रयासों को इस तरह सार्थक बनाना चाहिए कि भावी पीढ़ियों के अधिकारों का हनन ना हो।

इस तरह हम यह कर सकते है कि भावी पीढ़ियों को उनके अधिकार लगातार मिले हम अपनी सामाजिक- आर्थिक तथा राजनीतिक सुधारों के लिए लगातार प्रगतिशील हों। वही हमारे निर्णयों में संधारणीय विकास मे प्राथमिकता होनी चाहिए। वसुधैव कुटुम्बकम् की भावना के साथ वर्तमान पीढ़ी को आगे बढ़ना चाहिए, जिससे भावी पीढ़ियों के प्रश्नों का जवाब दे सके। जिस प्रकार समाज मे पीढ़ी संघर्ष होता है। उसी प्रकार ये प्रश्न- जवाब चलने चाहिए, लेकिन हमें खुद को इतना तैयार रहना चाहिए कि भावी पीढ़ियाँ सकारात्मक रूप से याद करे।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

Remarks for Essay-1

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

खंड-B/SECTION-B

Topic:

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

स्वीकार्यता स्वतंत्रता का अवरोधक और विकास का शत्रु है।

प्रथम कहानी

उत्तर प्रदेश की एक युवती जो वेट-लिफ्टिंग करती थी, जब वह 21 वर्ष की हुई तो उसे पता चला कि उसकी शादी हो गई। उसकी शादी उससे 10 वर्ष बड़े युवक से, जब वह 8 महीने की थी, तभी हो गई। लड़की ने परिवारवालों की इज्जत को ध्यान मे रखते हुए अपना कैरियर छोड़ ससुराल जाने लगी, वहाँ उसका पति, सास-ससुर उसकी दहेज के कारण पिटाई करते थे, उसका लगातार शोषण कर रहे थे। वह उन सभी परिस्थतियों को स्वीकार्यता के भाव से स्वीकार कर रही थी,

Copyright – Drishti The Vision Foundation

एक दिन रात में उसका पति आता है, उसका गला दबाकर मौत के घाट उतार देता है।

दूसरी कहानी

जब सुकरात के आधुनिक मूल्यों के प्रसार से रूढ़िवादी यूनानियों को समस्या हुई तो राजाओं ने उसे जेल में डाल दिया। राजाओं ने उसे अपने विचार बदलने को कहा, उसने नहीं बदले। जब उसे मृत्युदण्ड की सजा हुई तब एक रात्रि पहले उसके शिष्य पुरा इंतजाम करके उसे छुडाने जेल तक आ गए थे, तब भी सुकरात ने कहा अगर मैं आज यहाँ से चला गया तो मेरे विचार मैर जायेगें। उसने जहर का प्याला पिया और मृत्यु को स्वीकार किया। कहा भी जाता है. ' उस प्याले मे जहर था ही नही, अन्यथा सुकरात मर गया होता '

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

दोनो ही कहानियों में स्वीकार्यता का भाव है लेकिन प्रथम कहानी मे युवती सामाजिक रूढ़ियो, इज्जत, प्रथाओं को खुद की स्वतंत्रता से ऊपर रखती है और मृत्यु को प्राप्त करती है। युवती का विकास तो उस परिस्थति में हो ही नही पाता।

द्वितीय कहानी मे सुकरात का खुद के विचारों के प्रति स्वीकार्यता का भाव है। वह उन विचारों की रक्षा के लिए खुद के प्राणों को भी न्यौछावर कर देता है। यहाँ यूनानी राजाओं के प्रति अस्वीकार्यता का भाव उसके विचारों को न केवल स्वतंत्र करता है बल्कि उनका प्रसार होता है जो आज भी दार्शनिकों के लिए विषय बना हुआ है।

अब प्रश्न यह उठता है कि स्वीकार्यता क्या है? स्वीकार्यता स्वतंत्रता की अवरोधक कैसे

drishti
641, 1st Floor, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi | 21, Pusa Road, Karol Bagh, New Delhi | 13/15 Tashkent Marg, Civil Lines, Prayagraj | 47/CC, Burlington Arcade Mall, Vidhan Sabha Marg, Lucknow | Plot No. 45& 45A, Harsh Tower-2, Main Tonk Road, Vasundhara Colony, Jaipur | 12, Main AB Road, Bhawar Kuan, Indore, Madhya Pradesh
Phone: 8750187501 :: e-mail: care@groupdrishti.in :: Website: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

है. साथ ही स्वीकार्यता विकास का शत्रु कैसे हो जाती है। स्वीकार्यता से अलग हटे तो स्वतंत्रता तथा विकास को संवृद्धि मिलेगी।

स्वीकार्यता

राजा ने बोला- रात है.
मंत्री ने बोला- रात है.
सुबह- सुबह की बात है।

इसका भाव यह है कि दूसरों के भावो, विचारो को बिना तर्क- संगतता के अपना लेना या अनुकरण ~~बन~~ करना। स्वीकार्यता के माध्यम से कोई दूसरा हमारे विचारों का राजा बन जाता है, वो जैसा बोलता है हम वैसा ही करते है। उदाहरण के लिए- समाज के निर्णयों में महिलाओं की भागीदारी का न होना सभी शिक्षित तथा पढ़े- लिखे पुरुष भी रूढ़ियो के कारण स्वीकार कर लेते है

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

इसका एक उदाहरण खाप पंचायत भी है जिसमें महिलाओं के मुद्दों पर चर्चा की जा रही है और महिला एक भी नही है यह सब महिलाओं ने भी स्वीकार कर रखा है तो पुरुषों ने भी।

स्वीकार्यता: स्वतंत्रता का अवरोधक

जिस प्रकार प्रथम कहानी मे युवती रूढ़ियों के कारण खुद की स्वतंत्रता का हनन कर लेती है। जिससे इनका व्यक्तित्व विकास भी बाधित होता है। उसे चाहे खाप में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता से भी जोड़ सकते है।

स्वीकार्यता का प्रभाव यह होता है कि व्यक्ति अपने अधिकारों के प्रति जागरूक नहीं हो पाता है। महाभारत में लगाता

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कौरवों द्वारा पाण्डवों पर अत्याचार किए जाते है. उन्हे वह स्वीकार होता है लेकिन जब वे अज्ञातवास काटकर वापिस आते हैं तब अधिकारों की माँग करते हैं। स्वीकार्यता के भाव से अलग हटकर तब युद्ध होता है-

> "दो न्याय अगर तो आधा दो
> नही तो दे दो केवल पाँच ग्राम
> × × × × × ×
> दुर्योधन वह भी दे न सका
> उलटा हरि को बाँधने चला।

उसी प्रकार सदियों से स्त्रियों को सती प्रथा, भ्रुण हत्या, विधवा विवाह न होना इत्यादि कुरीतियों से जुझना पड़ा है, यह उनके स्वीकार्यता का भाव ही है। सदियों पड़े इस बोझ के चलते ना तो उनका शिक्षा में विकास हुआ है ना ही वे हरियों

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

से बाहर निकल पाई है।

उसी प्रकार जब भारत मे ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी स्थापित हो रही थी तो प्रारम्भ मे सभी राजा इस कंपनी की नीतियों से प्रभावित थे, इन्होंने दुरगामी प्रभाव मे कभी सोचा ही नही; जिसका परिणाम यह हुआ कि उनकी स्वतंत्रता हनन होने लगी।

यह स्वीकार्यता आज के समाज मे भी दिखती है. जहाँ अखबार में भी दिखती है जिन्हें मनू भण्डारी ने व्यक्त किया है-

"सुबह चाय की खुमारी के साथ अखबार खोला, चेहरे पर विशद छाया छा गई थी लेकिन चार-पाँच पेज पलटने के बाद वे विचार उड़ गए और सिनेमा मे घुस गए।"

यह विशद छाया दलित अत्याचार तथा रेप पीड़ित महिला की खबर से आया

Copyright – Drishti The Vision Foundation

था, लेकिन उसकी स्वीकार्यता इतनी हो चुकी है कि 5 मिनट में गायब हो जाती है।

स्वीकार्यता: विकास का शत्रु

रूढ़िवादी विचारों को स्वीकारना तथा मौलिक विचारों के विरुद्ध नकारात्मक अभिवृत्ति रखने से मनुष्य का विकास नहीं हो पाता है। वह नवाचार नहीं कर पाता है, वह कूप का मेण्ढक बन जाता है।

अगर अब्राहम लिंकन लगातार चुनाव हार कर खुद की हार को स्वीकार कर लेता तो क्या उसका विकास होता वह अमेरिका का राष्ट्रपति बनता? उत्तर है- कभी नहीं।

उसी प्रकार थॉमस एल्वा एडीसन

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

लगातार असफल होने को स्वीकार कर लेते तो बल्ब का अविष्कार नहीं कर पाते।

भारतीय इतिहास मे राजा राममोहन राय ने जिस प्रकार सती प्रथा को अस्वीकार किया तथा अपने प्रयासों से महिलाओं के विकास के लिए सती प्रथा निरोधक कानून बनाया। यह स्वीकार्यता के विरुद्ध आवाज है।

स्वीकार्यता के भाव से मौलिक विचारों की समाप्ति होती है, कहा भी गया है-

"अनुकरण की संस्कृति एक-दो समाज को छोडकर लगभग सभी समाजों मे है, यह कहने मे कोई अतिशयोक्ति नहीं कि एक दो समाज ही लगातार विकास कर रहे हैं।"

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

स्वीकार्यता में जिस प्रकार लगातार शोषण की भावना बढ़ी है, उसका देश पूरे विश्व ने द्वितीय विश्व युद्ध मे देखा था, जब हिटलर की नीतियों से नाजीयो ने यहूदियों का शोषण किया था।

इसका एक अन्य पक्ष भी है जो स्वीकार्यता को अपनाने से संबधितहै। जब एक अभ्यर्थी लगातार एक प्रतियोगी परीक्षा में असफल हो रहा है तो हो सकता है कि उसकी अभिरुचि उस परीक्षा के समकक्ष ना हो या उसकी रणनीति में कहीं कमी हो। उसे ये सभी पक्ष को स्वीकार करना चाहिए जिससे उसकी रणनीति या परीक्षा उत्तीर्ण करने की प्रायिकता में वृद्धि होगी।

इसके साथ ही समाज मे भी कई मूल्य जैसे- धैर्य, परोपकारिता, धार्मिक

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

सहिष्णुता आवश्यक है, जिनकी स्वीकार्यता से समाज में परस्पर विश्वास बढ़ता है। सामाजिक पूँजी में वृद्धि होती है। कहा जाता है-

उठो- जागो - सोचो
कहाँ कमी रह गई
उसे सुधार करो
कर्त्तव्यपथ को ना त्यागो तुम

अंतिम प्रश्न यह है कि स्वीकार्यता से अलग हट कर विकास को कैसे आगे बढ़ाएँ। इससे मानसिक मनोबल मिलता है, आत्मसंतुष्टि मे वृद्धि होती है, लोगों की शक्तियों को अतिशय बल मिलता है। जिससे स्वीकार्यता को समय- परिस्थिति- काल अनुसार देखा जाना चाहिए।

Copyright– Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

कहा भी जाता है.

" कुछ लोग जो सांचों मे ढल गए
कुछ लोग जो साँचे बदल गए "

सामाजिक रुढ़ियो या अन्याय के प्रति स्वीकार्यता या तटस्थता एक नकारात्मक वृत्ति है। प्रयास यह होना चाहिए कि समाज सभी के लिए समावेशी तथा प्रगतिशील हो तथा संधारणीय हो जिसके लिए कुछ अस्वीकार्य प्रथाओ को अलग करना होगा।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

Remarks for Essay-2

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

Remarks for Essay-2

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

शुरुआत → भूमिका

मुताती

दिशा

परिभाषा

21 साल में एक युवती की शादी हो जाती है

स्वीकार्यता : स्वतंत्रता का अवरोधक

भूमिका की स्वीकार्यता

(1) वैयक्तिक विकास ↓

(2) अधिकारों के प्रति जागरूकता नहीं है — सतीप्रथा, विधवा

(3) शिक्षा का विकास नहीं

कन्या को बोझ समझना

(i) मानसिक तनाव → असंतोष

(2) आत्मसंतुष्टि

(3) E.T.

(2) स्वीकार्यता : विकास का शत्रु

राजा राममोहन रॉय

(i) नवाचार नहीं

योजना एडील → बल्ब का आविष्कार का लक्ष्य

दो प्यार ... अनुकरण की संस्कृति है

समाज

(ii)

युधि — जो युधिष्ठिर! जीना उनका जो निर्भीक होकर लड़ते हैं

युधिष्ठिर / स्वयं की अन्वेषणा पालन नहीं

drishti | 641, 1st Floor, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi | 21, Pusa Road, Karol Bagh, New Delhi | 13/15 Tashkent Marg, Civil Lines, Prayagraj | 47/CC, Burlington Arcade Mall, Vidhan Sabha Marg, Lucknow | Plot No. 45& 45A, Harsh Tower-2, Main Tonk Road, Vasundhara Colony, Jaipur | 12, Main AB Road, Bhawar Kuan, Indore, Madhya Pradesh

Phone: 8750187501 :: e-mail: care@groupdrishti.in :: Website: www.drishtiIAS.com

Copyright – Drishti The Vision Foundation

SPACE FOR ROUGH WORK

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

हिटलर एक जर्मनी के तानाशाह थे, उन्होंने यहूदियों के विरुद्ध जो नरसंहार किया.

~~हिटलर~~

एक लीडर ने अपने व्यक्तित्व मे सम्प्रेषण कौशल की क्षमता में अतिशय वृद्धि कर ली।

प्रथ्वीराज ⇔ संयोगिता

मोहम्मद गजनी

• ~~मध्यकालीन~~ प्राचीन ~~काल~~ भारत मे एक भारतीय राजा हुआ करता था। राजा काफी वीर तथा प्रंशसनीय ~~था~~ था। उसकी वीर कहानियाँ चारों ओर फैल रही थी। उसी समय ~~एक~~ पड़ोस के राज्य की एक युवती ~~उ~~ राजा को अपना दिल दे बैठती थी, वह राजा की प्रतिमा बनाकर उससे शादी कर लेती है, युवती के पिता इससे काफी क्रोधित होते है और वह निर्धारित करता है कि ~~कर्दे~~ वह यह प्रेम विवाह को स्वीकार नही करेगा।

युवती के पिता ने इस राजा से ईर्ष्या करते थे ~~विदेश~~ के राज्यों से ~~सम्बन्ध~~ उन्होंने विदेशी देशों के राजाओं से इस संबंध में मदद माँगी, जिसका परिणाम यह हुआ कि भारतीय राजा की मृत्यु हो गई, भारत अपने परतंत्रता के युग में शामिल हो गया।

drishti
641, 1st Floor, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi | 21, Pusa Road, Karol Bagh, New Delhi | 13/15 Tashkent Marg, Civil Lines, Prayagraj | 47/CC, Burlington Arcade Mall, Vidhan Sabha Marg, Lucknow | Plot No. 45& 45A, Harsh Tower-2, Main Tonk Road, Vasundhara Colony, Jaipur | 12, Main AB Road, Bhawar Kuan, Indore, Madhya Pradesh
Phone: 8750187501 :: e-mail: care@groupdrishti.in :: Website: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

जब इन सबका राजा को पता चला तो राजा की नैतिक जिम्मेदारी यह थी कि वह युवती से विवाह स्वीकार।

इतिहास → चक्रीय
रेखीय विश्लेषण
की वस्तु है।

SPACE FOR ROUGH WORK

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

चूँकि हम भावी पीढ़ी के बारे में नही सोचते, इसलिए वे हमें कभी नही भूलेंगे।

मैं टूटे हुए रथ का पहिया
लेकिन मुझे फेंको मत
क्या पता इतिहास की गति सहसा

① जलवायु परिवर्तन

संधारणीय

SDG

IPCC

15cm 1.2°C.

क्रायोस्फीयर

glacier. → एक दिन सभी पेड़ कट जायेंगे, सभी नदियाँ प्रदूषित हो जाएगी, तो मनुष्य महसूस करेगा कि पैसे को खाया नही जा सकता

② History. मे जाए तो →

③ Society →

④ प्रबोधन, तर्कवाद,

मध्यकालीन रूढ़िता

⑤ भारत- पाकिस्तान धर्म आधारित

बच सकता था
मगर पर ~~बचेगा~~ कैसे बच सकता था
जो बचेगा वो रहेगा कैसे
किसी के मत्थे मढ़ सकता था
जो मरेगा कैसे गढ़ेगा)

Copyright – Drishti The Vision Foundation